

वार्तालाप-421, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), ता-17.10.07
Disc.CD No.421, dated 17.10.07 at Lucknow (Uttar Pradesh)

जिज्ञासू – बाबा, सृष्टि चक्र में संगमयुग का जो समय दिखाते हैं सौ वर्ष का। तो वो कलियुग के समय में से लिया गया है या सतयुग और कलियुग का दोनों के बीच का लिया गया है?

बाबा – संगम कहते किसे हैं? मेल को कहते हैं। सुख-दुःख का मेल, सत्य और झूठ का मेल, धर्म-अधर्म का मेल। अकेले कलियुग से थोड़े ही उठाया जाता है। कलियुग का भी हिस्सा है और सतयुग का हिस्सा भी है।

जिज्ञासू – 50 वर्ष सतयुग से लिया जाता है और 50 वर्ष कलियुग से लिया जाता है।

बाबा – 50 साल कब पूरे होते हैं यज्ञ में? 87 में पूरे होते हैं ना। किस आत्मा के लिए लागू होता है?

जिज्ञासू – ब्रह्मा बाबा।

Student: Baba, the duration of the Confluence Age is shown to be 100 years in the world cycle. So, has it been taken from the Iron Age or from the time in between the Golden Age and the Iron Age?

Baba: What is meant by confluence? It means meeting. Meeting of happiness and sorrow; meeting of truth and falsehood; meeting of religiousness and irreligiousness. It is not taken just from the Iron Age. There is a part of the Iron Age as well as a part of the Golden Age in it.

Student: 50 years are taken from the Golden Age and 50 years from the Iron Age.

Baba: When are the 50 years completed in the *yagya*? They are completed in (19) 87, aren't they? To which soul is it applicable?

Student: Brahma Baba.

बाबा- ब्रह्मा उर्फ कृष्ण की सोल के लिए ये बात लागू होती है। कि आधा कलियुग और आधा सतयुग; क्योंकि सन् 87 के बाद उनकी 100 वर्ष आयु पूरी हो जाती है। तब तक उनके लिए कलियुग है दुःखदाई उसके बाद 100 वर्ष में ब्रह्मा खत्म हो जाता है मृत्युलोक में। उनका मृत्युलोक खलास हो गया तो कौनसा लोक शुरू हुआ?

जिज्ञासू – अमरलोक।

बाबा – अमरलोक शुरू हुआ। पीपल के पत्ते पर गर्भ महल में आराम से स्मृति का अँगूठा चूसते हुए दिखाया गया है। कोई तकलीफ है क्या? तो सतयुग है या कलियुग है उनके लिए?

जिज्ञासू – सतयुग।

बाबा- और बाकी के लिए? बाकी के लिए कहेंगे कलियुग है।

Baba: This is applicable to Brahma alias the soul of Krishna, that half (the time is taken from) the Iron Age and half (the time is taken from) the Golden Age because after the year (19) 87, he attains the age of 100 years. Until then it is sorrowful Iron Age for him and after that Brahma finishes in the *mrityulok* (the mortal world) at the age of 100 years. When the *mrityulok* ends for him, then which world started [for him]?

Student: The immortal world (*amarlok*).

Baba: The *Amarlok* began. He has been shown to be lying comfortably on a fig leaf (*pipal*) in the womb-like palace sucking the thumb of remembrance. Is he facing any difficulty? So, is it the Golden Age or the Iron Age for him?

Student: The Golden Age.

Baba: And for the rest? For the rest it will be said that it is the Iron Age.

समय – 02.10

जिज्ञासू – बाबा, पोतामेल क्या चीज़ है?

बाबा – पोतामेल है अपनी कमज़ोरियों को लिखकरके देना बाप को। जो कमज़ोरियाँ अंदर में खाती हैं। अवस्था खराब कर देती है। बार-बार वो बातें याद आती है। उसको कहते हैं पोतामेल।

Time: 02.10

Student: Baba, what is *potamail*?

Baba: *Potamail* means writing about our weaknesses to the Father. Such weaknesses that pinch us inside, that spoil our stage and come to our mind again and again. That is called *potamail*.

समय – 02.44

जिज्ञासू – बाबा, पहले बेसिक में सुनते थे कि सतयुग आने वाला है। आठ गद्दी कृष्ण की और नौ गद्दी राम की राज होगा। फिर वहाँ साहूकार होंगे, प्रजा होगी, नौकर-चाकर होंगे और अभी कोर्स में सुना है कि ये सब संगमयुग की बात है और वहाँ तो कुछ होता ही नहीं है वहाँ तो सिर्फ...

बाबा – बाप आकरके ऊँच ते ऊँच लक्ष्य देते हैं या नीचा लक्ष्य देते हैं?

जिज्ञासू-ऊँचा।

बाबा – सतयुग में जब सतयुग एक्युरेट शुरू होगा। तो उतरती कला शुरू हो जाएगी या चढ़ती कला बनी रहेगी?

जिज्ञासू – उतरती कला।

बाबा – तो बाप चढ़ती कला आकरके सिखाते हैं या उतरती कला में छोड़ के चले जाते हैं? संगमयुग में जितना ऊँच ते ऊँच सुख मिलता है उतना सतयुग में भी नहीं मिलेगा।

Time: 02.44

Student: Baba, earlier we used to hear in the basic knowledge that the Golden Age is going to come. There will be a rule of Krishna for eight generations and rule of Ram for nine generations. Then there will be the rich ones, subjects, servants, etc. and now we have heard in the course that all these are the issues of the Confluence Age and there will be no such thing there. It will be just....

Baba: Does the Father give a high goal or a low goal for us when He comes?

Student: High.

Baba: When the accurate Golden Age begins, will the stage of descent begin or will the stage of ascent continue?

Student: The stage of descent.

Baba: So, does the Father teach the stage of ascent when He comes or does He leave us in the stage of descent and go away? We will not get such highest happiness in the Golden Age like we get in the Confluence Age.

जिज्ञासू – तो वहाँ बताया कि जो महलमाड़ी या घर मकान से कोई संबंध ही नहीं है सारा प्रकृति का ही रूप है। और गद्दी की बात ही नहीं।

बाबा – हाँ, वहाँ यथा राजा तथा प्रजा होता है की नहीं?

जिज्ञासू – होता है।

बाबा – तो जो चित्र दिखाया गया है उसमें लक्ष्मी-नारायण को खड़ा हुआ दिखाया गया है या गद्दी पर बैठा हुआ दिखाया गया है?

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

जिज्ञासू – खड़ा हुआ।

बाबा – क्यों खड़ा हुआ दिखाया गया है? यथा राजा तथा प्रजा। प्रजा को राजा ऐसे समझता है कि जैसे मेरे घर के बच्चे हैं। क्या?

Student: So, it was told there (in the advance course) that there will not be any palaces or houses (in heaven); everything is the form of nature. And there is no question of thrones at all.

Baba: Yes, aren't the subjects like the kings there?

Student: They are.

Baba: So, in the picture that has been shown, have Lakshmi and Narayan been shown standing or sitting on a throne?

Student: (They have been shown to be) standing.

Baba: Why have they been shown to be standing? As the king, so the subjects. The king considers the subjects to be like the children of his house. What?

जिज्ञासू – घर मकान बनाना द्वापर से ही शुरू होते हैं?

बाबा – बाबा ने जो लक्ष्य दिया है। वो स्थूल मकानों का लक्ष्य दिया है या संगठन रूपी किले का लक्ष्य दिया है?

जिज्ञासू – संगठन रूपी किले का।

बाबा – ये संगठन रूपी किले यहाँ बनते हैं। जिनकी यादगार मालाएँ बनी हुई है हर धर्म में। वो किले, महलमाडियाँ यहाँ बनाते हो। सोने के महलमाडियाँ होंगी। हीरों के महलमाडियाँ होंगे तो वहाँ क्या सोना गलाया जाएगा जो दीवारें बनेगी? कारखाने होंगे? यहाँ की बात है, सोने जैसी सच्ची आत्माएँ होंगी। हीरे जैसी आत्माओं का संगठन होगा, सूर्यवंशियों का। माणिक, मोती, मुंगा। ये कम कीमत वाले होते हैं या हीरे जैसे होते हैं? वो कम कीमत वाले हैं। वो तो दूसरे धर्म में कनवर्ट हो जावेंगे।

Student: Does the process of building houses begin only from the Copper Age?

Baba: Has Baba given us the goal of [building] gross houses or a goal of fort-like gatherings?

Student: Of fort-like gatherings.

Baba: These fort-like gatherings are formed here, whose memorials are available in every religion in the form of rosaries. You build those forts and palaces here. There will be palaces of gold. There will be palaces of diamonds. So, will gold be melted there to build walls (of gold)? Will there be factories? It is about the present time. There will be gold-like true souls. There will be a gathering of diamond-like souls, of *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty). *Manik* (ruby), *moti* (pearl), *moonga* (coral). Are they cheap or are they like diamonds? They are comparatively cheaper. They will indeed convert into other religions.

समय – 05.36

जिज्ञासू – बाबा, 5 वर्षीय ईश्वरीय प्लान क्या है?

बाबा – 5 वर्षीय ईश्वरीय प्लान। जो सीढ़ी के चित्र में दिखाया है, एक तरफ ब्रह्मा बाबा खड़े हैं नीचे और दूसरी तरफ काँटों की शैया पर बेगर पड़ा हुआ है। फुल बेगर। उस फुल बेगर को विदेशी भीख दे रहे हैं। खाओ, पीओ, जीओ। काँटों की शैया माना? ये दुनियाँ क्या है उसके लिए? काँटों का जंगल है। उस जंगल में आत्मा दुःखी होगी या सुखी होगी? दुःखी होगी। सुखी तो होने का सवाल ही नहीं और वो भारत है। जिसके लिए दिखाया गया भारत फुल बेगर टू फुल प्रिन्स बनता है। उसकी पहचान ये है कि ब्रह्मा खड़ा हुआ भारत नहीं है। वो राम वाली आत्मा जो पड़ी हुई दिखाई गई है वही भारत का रूप है। भारत सबसे जास्ती पतित बनता है या कोई और धर्म वाले सबसे जास्ती पतित बनते हैं? भारत सबसे जास्ती बेगर और पतित बनता है। वो भारत के सर के नीचे जो पुस्तक रखी हुई है। उसमें लिखा हुआ है 5 ईयर

प्लान। पुराने चित्र में। 5 इयर प्लान का मतलब उसकी बुद्धि रूपी घरणी में जो गीता समाई हुई है गीता ज्ञान समाया हुआ है। उसमें 5 वर्ष का प्लान आता है। कौनसे सन् से?
जिज्ञासू – 76

Time: 05.36

Student: Baba, what is the 5 year Godly plan?

Baba: 5 year Godly plan. It has been shown in the picture of the ladder that on the one side Brahma Baba is standing below and on the other side a beggar is lying on a bed of thorns. Full beggar. Foreigners (*videshi*) are giving alms to the full beggar. Eat, drink and live. What does 'a bed of thorns' mean? What is this world for him? It is a jungle of thorns. Will a soul be sorrowful in that jungle or happy? It will be sorrowful. There is no question of becoming happy at all. And he is *Bharat*, for whom it has been shown that *Bharat* gets transformed from a full beggar to full prince. Its indication is that Brahma, who is standing is not *Bharat*. The soul of Ram who has been shown lying below is the form of *Bharat*. Does *Bharat* become most sinful or do people of any other religion become more sinful? *Bharat* becomes most beggar and sinful. On the book, which has been placed below that *Bharat's* head, it has been written – 5 year plan. (It has been mentioned) In the old picture. Five year plan means, the five year plan appears in his earth like intellect, in which that Gita is contained, the knowledge of the Gita is contained. From which year?

Student: 76.

बाबा – 76 है बाप का प्रत्यक्षता वर्ष। और 77 है सम्पूर्णता वर्ष, सम्पन्नता वर्ष। तो 77 से लेकरके और 82 तक कितने साल हुए? 5 साल हो जाते हैं। जो आत्मा बेगर के रूप में काँटों की शैया पर दिखाई गई है। बेगर माना जिसको कोई घर-बार न हो। 5 वर्ष के अंदर वो भारत। जिसके लिए लिखा हुआ है लक्ष्मी-नारायण के चित्र में। भारत क्या बन जावेगा? भारत 5 विकारों से मुक्त हो जावेगा। तो शरीर की इन्द्रियों से मुक्त हो जावेगा या मन-बुद्धि से मुक्त हो जावेगा? मन-बुद्धि से मुक्त हो जावेगा। क्यों? क्योंकि मन-बुद्धि को और इन्द्रियों को कन्ट्रोल करने वाला कौन है? सुप्रीम सोल बाप मुकररर रूप से प्रवेश होता है। वो 5 इयर प्लान देता है बुद्धि में। 5 इयर प्लान में ये बात साबित हो जाती है कि बेगर तो दूसरों के ऊपर आधारित होता है जीवन चलाने के लिए और जब बेगर टू प्रिन्स बन जाता है तो उसको किसी की आधार लेने की दरकार नहीं है, जिसको जरूरत हो वो उसके दर पर आए।

Baba: 76 is the year of revelation of the Father. And 77 is the year of perfection, the year of accomplishment. So, how many years is it from 77 to 82? There are five years (for) the soul that has been shown in the form of a beggar lying on the bed of thorns. Beggar means the one who does not have any home (*ghar-baar*). Within 5 years that *Bharat*, for whom it has been written in the picture of Lakshmi-Narayan, what will *Bharat* become? *Bharat* will become free from the five vices. So, will he become free from the vices through the organs of the body or will he become liberated (from the vices) through the mind and intellect? He will become free from vices through his mind and intellect. Why? It is because – who controls the mind and intellect and the organs? When the Supreme Soul Father enters in a permanent form, then He gives the five year plan in his intellect. It is proved through the five year plan that a beggar is dependant on others for his survival and when he transforms from a beggar to a prince, he need not take anybody's support. Those who have a requirement will come to his door.

तो 83 से भारत स्वावलंबी बन जाता है। स्वतंत्र हो जाता है। कोई प्रकार का बंधन नहीं रहता। प्रैक्टिकल बातें हैं या इम्प्रैक्टिकल ज्ञान है? प्रैक्टिकल बातें हैं। 83 से पहले वो दूसरों के ऊपर आधारित था और 83 के बाद स्वतंत्र हो जाता है। वो 5 इयर प्लान पूरा हो जाता है। किसी से

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

भीख माँगने की दरकार नहीं रहती। जैसे प्रिन्स होता है तो प्रिन्स एक राजा से लेता है या दर-दर माँगता फिरता है? एक राजा से लेता है। इसलिए गायन है बेगर टू प्रिन्स। ये 5 वर्ष का 5 इयर प्लान है। वो आसुरी गवर्नमेंट के तो 5 इयर प्लान कभी पूरे होते ही नहीं है। न हुए हैं और न कभी होंगे। ये तो ईश्वरीय 5 इयर प्लान है। जो एक ही बार चलता है और 5 वर्ष में पूरा हो जाता है।

So, *Bharat* becomes independent from 83. He becomes free. There remains no bondage of any kind. Are these practical issues or is it an impractical knowledge? These are practical issues. Before 83 he was dependant on others and after 83 he becomes free. That five year plan is completed. There does not remain any need to seek alms from anyone. For example if there is a prince, will he seek from one King or does he go begging at every door? He takes from one King. That is why the praise is of beggar to prince. This is a five year plan. Those five year plans of the demoniac government are never completed. Neither have they completed nor will they ever be completed. This is a Godly five year plan, which is implemented only once and is completed within 5 years.

जिज्ञासू – उसके थू कोई भी बेगर टू प्रिन्स बन सकता है?

बाबा – बाप आकरके 5 इयर प्लान बनाते हैं, देते हैं या देहधारी दे सकते हैं?

जिज्ञासू – बाप आकर देते हैं।

बाबा – बाप ही आकर 5 इयर प्लान देते हैं। बेगर टू प्रिन्स। नर से नारायण। ऊँच ते ऊँच प्रिन्स कौन है?

जिज्ञासू – नारायण।

बाबा – नारायण ही ऊँच ते ऊँच पहले प्रिन्स बनता है और वो ही बाद में नारायण बनता है।

Student: Can anyone become beggar to prince through it (the 5 year plan)?

Baba: Does the Father give the five year plan when He comes or can the bodily beings give it?

Student: The Father comes and gives.

Baba: Only the Father comes and gives the five year plan. Beggar to prince. From a man to Narayan. Who is the highest on high prince?

Student: Narayan.

Baba: Only Narayan becomes the first highest prince and it is he himself who later on becomes Narayan.

समय – 11.50

जिज्ञासू – बाबा, शंकर का जन्म कैसे हुआ?

बाबा – शंकर सबका बाप है या उसका कोई बाप है?

जिज्ञासू – सबका बाप है।

बाबा – वो सबका बाप है तो उसको जन्म कौन देगा? जो सबका बाप है और उसका कोई बाप नहीं है। जो सबका टीचर है उसका कोई टीचर नहीं है। जो सबका गुरु है परंतु उसका कोई गुरु नहीं है। तो उसका गुरु कौन होगा? उसका टीचर कौन होगा? उसको जन्म देने वाला बाप कौन होगा? इसलिए उसको कहते हैं, स्वयंभु।

Time: 11.50

Student: Baba, how did Shankar take birth?

Baba: Is Shankar everybody's father or does he have any father?

Student: He is everybody's father.

Baba: When he is everybody's father, who will give birth to him? He is everybody's father and he does not have any father. He is everybody's teacher; he does not have any teacher. He is

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

everybody's *guru*; but he does not have any *guru*. So, who can be his *guru*? Who can be his teacher? Who can be the Father who gives birth to him? So, he is called *swayambhu* (self-created).

जिज्ञासू – शंकर जी बिना बाप के?

बाबा – अरे! वो स्वयं ही बाप है। ऊँच ते ऊँच। ऊँच ते ऊँच और नीच ते नीच इस साकार दुनियाँ की बात है या निराकारी ब्रह्मलोक की बात है?

जिज्ञासू – साकारी।

बाबा – साकार दुनियाँ में कोई हुआ है प्रैक्टिकल में। उससे ऊँचा कोई बाप होता नहीं। जो उसको जन्म दे। इसीलिए उसको कहते हैं स्वयंभु। स्वयं ही जन्म लेता है। उसको कोई जन्म देने वाला नहीं है।

Student: Does Shankar not have any Father?

Baba: Arey! He himself is a father; the highest on high. Is the topic of the highest on high and lowest on low related this corporeal world or the incorporeal *Brahmlok*?

Student: Corporeal....

Baba: There has been someone in practical in the corporeal world. There is no father higher than him who may give birth to him. That is why he is called *swayambhu*. He takes birth on his own. Nobody gives birth to him.

समय – 22.06

जिज्ञासू – बाबाजी, अगर विनाश होगा तो हमलोग कहाँ जाएंगे?

बाबा – विनाश होगा तो बाबाजी कहाँ रहेंगे? बताओ। विनाश होगा तो बाबाजी रहेंगे कि नहीं रहेंगे?

जिज्ञासू – रहेंगे।

Time: 22.06

Student: Babaji, if destruction takes place where will we go?

Baba: When destruction takes place, where will Babaji be? Tell me. When destruction takes place will Babaji survive or not?

Student: He will.

बाबा – और बाबाजी की बाईयाँ, बाईजी रहेंगी या नहीं रहेंगी? रहेंगी कि नहीं रहेंगी? जब बाबा आया हुआ है। जिसको बाबा कह रहे हैं। बाबा तो कहते हैं उन ब्रह्माकुमारियों के बारे में भी पूछो मत कि क्या हाल है। अरे! भगवान के बने तो अच्छा ही हाल होगा या पूछने की ज़रूरत है क्या हाल है? भगवान के बच्चों का कैसा हाल होगा? खुशहाल ही होगा। हाँ, भगवान के बच्चे न बने हो कोई और को ही पति बनाए लिया हो। कोई और को बाप बनाए लिया हो तो बदहाली भी हो सकती है। तो विनाश में उनका तन, मन, धन का विनाश हो सकता है। बाकी बाप के बच्चों को तो परवाह करने की दरकार ही नहीं है। ये तो दूसरे धर्म वाले जो हैं वो भी मानते हैं। दूसरे धर्म के लोग क्या कहते हैं? मुसलमान कहते हैं। जब विनाश होगा, कयामत होगी तो अल्लाह ताला के बंदे बड़े आराम में रहेंगे। जो उसके बंदे नहीं होंगे, जो उसको बंदगी करने वाले नहीं होंगे औरों-औरों को बंदगी करना शुरू कर दिया होगा। वो बेआरामी में रहेंगे। उनका हार्टफैल भी हो सकता है; लेकिन बाप के बच्चे तो बहुत आराम में रहेंगे। अभी भले कितना भी दुःख होता हो।

Baba: And will Babaji's *baais* (ladies) and *baaijis* survive or not? Will they or will they not? When Baba, whom we call Baba, has come; Baba says, don't ask about the condition (well being) of even the Brahmakumaris. Arey! When they have become God's children will their condition be good or is there any need to ask, how are you? How will the condition of God's children be? They will certainly be happy. Well, if they have not become God's children and have made someone else as their husbands; if they have made someone else as their father, then their condition could become bad as well. So, during destruction, their body, mind, wealth can be destroyed. But the Father's children need not worry at all. Even people belonging to other religions accept it. What do the people of other religions say? Muslims say, when destruction takes place, *Allah's* men will live very comfortably. Those who are not His men, those who won't worship him, those who would have started worshipping others, will remain uncomfortable; they can even suffer heart failure, but the Father's children will be very comfortable, although they may be experiencing a lot of sorrow now.

समय – 24.18

जिज्ञासू – बाबा, कदम-कदम पर श्रीमत पर चलना चाहिए।..... जैसे कोई कार्य करने जा रहे हैं तो हर समय साकार में बात नहीं कर सकते। तो उस समय बाबा को याद किया साकार रूप में , ज्योति रूप में तो उस समय तो विकर्म नहीं होगा ना? जैसे कोई कार्य करने जा रहा है, तो एक सेकण्ड बाबा से पूछ ले कि वो कार्य करे या नहीं फिर वो जाए करने?

बाबा – माना बाबा से प्रेरणा ले लें?

जिज्ञासू – नहीं बाबा से पूछना है।

Time: 24.18

Student: Baba, we have to follow *shrimat* at every step. For example, if we are going to do any work, we cannot talk (to Baba) in corporeal form every time. So, at that time if we remember Baba in the corporeal form and in light form, then at that time sins won't be committed, will they be? For example, we are going to do some task, so can we ask Baba for a second, whether we can go to do that task or not?

Baba: Does it mean we should obtain inspiration from Baba?

Student: No, we have to ask Baba.

बाबा – बाबा से पूछना है और अंदर ही अंदर हमने बाबा से पूछ लिया। प्रेरणा मिल गई तो प्रेरणा की बात कह रहे हैं ना।

जिज्ञासू – नहीं। सन्मुख की बात है।

बाबा – सन्मुख की बात कह रहे हैं? सन्मुख में तो ऐसी कोई बात ही नहीं।

जिज्ञासू – बाबा से पूछ के बता दें।

बाबा – सन्मुख में तो बार-बार पूछ लिया तो वो तो पूछने में ही आ गया ना। कदम-कदम पर श्रीमत लेने की बात ही हो गई ना। ऐसे तो नहीं है कि हमने अपने अंदर बाबा को याद कर लिया और बाबा से बात कर ली और बाबा ने कहा हाँ ऐसा ही करो।

Baba: We have to ask Baba and if we ask Baba in our mind, and if we received inspiration; so you are talking about inspiration, aren't you?

Student: No. It is a about face to face.

Baba: Are you talking about (speaking to Baba) face to face? There is no such thing (as inspiration) in face to face (meeting) at all.

Student: Someone may ask Baba and tell.

Baba: If someone asks face to face again and again, then that is included in asking questions, isn't it? It is indeed about seeking *shrimat* at every step, isn't it? It is not as if we remembered Baba in our mind and talked to Baba and Baba said, yes, do like this only.

समय – 40.56

जिज्ञासू – बाबा जैसे कहते हैं कि मम्मा आ जाएंगी तो बाबा गुप्त हो जाएंगे। तो फिर बाबा बच्चों से नहीं मिलेंगे क्या?

Time: 40.56

Student: Baba, for example it is said that when Mamma comes, Baba will become incognito. So, then, will Baba not meet the children?

बाबा – ब्रह्मा का पार्ट स्थापना के कार्य में अंत तक नुंधा हुआ है। तो जब स्थापना हो गई। तो ब्रह्मा को पार्ट बजाने की दरकार है? नहीं। बाप तो रहेगा लेकिन बाप विश्व पिता है या सिर्फ भारत पिता है? विश्व पिता है। तो विश्व का कल्याण करेगा या सिर्फ भारत में ही डोलता रहेगा? अभी भी तो ऐसे ही है। बच्चों के लिए बाप प्रत्यक्ष हो गए। 2000 के आस-पास जो अव्यक्त वाणी है उसमें बोला है, बापदादा बच्चों के सामने प्रत्यक्ष हो गए और दुनियाँ वालों के सामने गुप्त हो गए। तो वो 69 की बात है। तो अभी 2000 में क्यों बोला? कहाँ की बात है? 69 की बात है कि बाप दुनियाँवालों के सामने गुप्त हो गए। बच्चों के सामने प्रत्यक्ष हो गए। या 2000 में क्यों बोला? 2000 में इसीलिए बोला कि जो बाप के रूप में पार्ट बजाने वाली हस्ती है। 98 में जो हड़कम्प हुआ। एड्वान्स पार्टी में अर्धविनाश हुआ। वो आधा विनाश होने के बाद बच्चों के सामने प्रत्यक्ष होकरके पार्ट बजाते हैं और दुनियाँ वालों की नज़रों में गुप्त हो जाते हैं। जिनके सामने प्रत्यक्ष होकरके पार्ट बजाते हैं द्वापरयुगी शूटिंग के बाद वो नज़दीक रहते हैं मिलते-जुलते रहते हैं नम्बरवार और बाकी से मिलना-जुलना बंद।

Baba: Brahma's part is fixed in the task of establishment till the end. So, when establishment has taken place, is there the need for Brahma to play his part? No. The Father will certainly remain, but is the Father 'a world father' or just India's father? He is the world father. So, will he bring the benefit of the world or will he keep moving only in India? Even now it is like this. The Father has been revealed for the children. In an *Avyakta Vani* narrated around the year 2000 it has been said that Bapdaada has revealed in front of the children and has become incognito in front of the people of the world. So, if that is an issue of (the year) 69, why did he speak (the above versions) now in 2000? Of when is it about? Is it about (19)69 that the Father became incognito for the people of the world and revealed in front of the children or (else) why did he speak (the above versions) in 2000? He spoke (the above versions) in 2000 because the personality who plays a part in the form of the father, the upheaval that took place in 98, a semi-destruction took place in the advance party; after that semi-destruction he plays a part by being revealed in front of the children and becomes incognito in the eyes of the people of the world. After the shooting of the Copper Age the persons in front of whom he plays a part in a revealed form remain close to him, keep meeting him numberwise and he stops meeting the rest.

समय – 46.25

जिज्ञासू – बाबा, जैसे कोई बाप की निन्दा करता है तो नहीं सुन सकते ना। तो उसमें कुछ बोल दिया, कह दिया तो उसमें कुछ विकर्म तो नहीं है?

बाबा – तुम क्यों ध्यान दो? मत दो ध्यान। एक कान से सुनो दूसरे कान से निकाल दो। हियर नो ईविल ये किसके लिए बोला। ऐसे समझ लो पागल है बोल रहा है। बकने दो। ध्यान ही नहीं देगा तो सुना-सुना अनसुना हो गया। सुनते हुए न सुनो। गुस्से में आने की क्या बात है। गुस्से में आना वो भी तो अज्ञान हो गया या ज्ञान हुआ?

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

जिज्ञासू – अज्ञान।

बाबा– तो ज्ञान अज्ञान हो गया।

Time: 46.25

Student: Baba, for example, if someone defames the Father, we cannot listen to it, can we? So, if we say something in reply, will we accumulate any sin?

Baba: Why should you pay attention? Do not pay attention. Listen through one ear and leave through the other. For whom has it been said, hear no evil? Think as if a mad person is speaking. Let him babble. If you don't pay attention at all, then it is as if you did not hear anything despite hearing. Do not listen while hearing. Why is there the need to become angry? Is it ignorance or wisdom to become angry?

Student: It is ignorance.

Baba: So, here the knowledge becomes ignorance.

समय – 47.14

जिज्ञासू – बाबा जैसे एडवॉन्स में कई माताएँ हैं वृद्ध हो चुकी हैं। मतलब शरीर से वृद्ध हो चुकी हैं या भाई हैं तो उनको शरीर छोड़ना पड़ेगा?

बाबा – जरूरी नहीं है। कोई-कोई ऐसी माताएँ नहीं हैं जो वृद्ध हैं; लेकिन ज्ञान में बड़ी तीखी हैं सुनाने में? क्या? ज्ञान में तीखी हैं, याद में भी तीखी है।

जिज्ञासू– तो उनका शरीर नहीं छूटेगा।

बाबा – क्यों छूटेगा? फिर ईश्वरीय ज्ञान कहाँ रहा जो बूढ़ों के लिए ये कह दे कि नहीं बूढ़ों को कंचन काया नहीं बनेगी। बूढ़े हों चाहे बच्चे हो ये तो वर्ल्ड यूनिवर्सिटी है। इसमें किसी को अलगाव नहीं किया जा सकता। जो पुरुषार्थ करेगा सो पाएगा।

Time: 47.14

Student: Baba, for example, there are many mothers in advance (party), they have become old. I mean to say they have become physically old or there are (such old) brothers; so will they have to leave their bodies?

Baba: It is not necessary. Are there not such mothers who are old, but are very sharp in narrating knowledge? What? They are sharp in knowledge as well as in remembrance.

Student: So, they will not leave their bodies.

Baba: Why will they leave (their bodies)? Then it is not Godly knowledge which says about the old people that no, old people will not achieve *kanchankaya* (golden body). This is a world university whether someone is old or a child. There cannot be any differentiation in this. Whoever makes special effort for the soul will achieve (the fruits).

समय – 48.10

जिज्ञासू – बाबा एक मुरली में आया था कि बाबा भले चले जाएँ लेकिन मम्मा हमेशा साथ रहेगी। तो ये प्वाइन्ट बाबा कैसे....?

बाबा – मम्मा ने कब शरीर छोड़ दिया?

जिज्ञासू – 65 में।

Time: 48.10

Student: Baba, it was mentioned in a *Murli* that although Baba may depart, Mamma will always remain with you. So, Baba how is this point....?

Baba: When did Mamma leave her body?

Student: In (19)65.

बाबा – 65 में शरीर छोड़ दिया और बाबा तीन साल, चार साल तक जिंदा रहा तो उससे क्या साबित हुआ? कि न वो हमारे मम्मा थे असली और न वो हमारे बाबा थे। इसीलिए मुरली में भी बोला है वास्तव में ये ब्रह्मा सरस्वती तुम्हारे मम्मा बाबा नहीं है। ये मुरली में ही बोल दिया कि वास्तव में ये ब्रह्मा सरस्वती तुम्हारे मम्मा बाबा नहीं है। इसका मतलब हमारे मम्मा बाबा कोई और हैं। जिसमें मम्मा की आत्मा और ब्रह्मा की सोल प्रवेश करके पार्ट बजाती है एडवान्स पार्टी में। वो मम्मा अंत तक ब्राह्मण परिवार की पालना करेगी। देवी के रूप में। ब्रह्मा ने यज्ञ के आदि में पालना की क्या? नहीं की। लेकिन फिर सन् 47 से लेकरके और 68 तक पालना की ना। ब्रह्मा ने पालना की ना। ब्रह्मा माना जगदम्बा। वास्तव में तुम्हारी जगदम्बा ये ब्रह्मा है; परंतु तन पुरुष का है तो बेसिक में भी ब्रह्मा ने पालना की और एडवान्स में भी अंत तक पालना कौन करेगा?

जिज्ञासू – ब्रह्मा।

Baba: She left her body in (19)65 and Baba lived for three to four years more. So, what does it prove? (It proves) that neither was she our true Mamma nor was he our Baba. That is why it has also been said in the *Murli*, actually, this Brahma and Saraswati are not your Mamma-Baba. It has been said in the *Murli* itself that actually this Brahma and Saraswati are not your Mamma and Baba. It means that our Mamma and Baba are someone else, in whom the soul of Mamma and the soul of Brahma enter and play their parts in the advance party. That Mamma will sustain the Brahmin family till the end in the form of a *devi* (a female deity). Did Brahma sustain (the Brahmin family) in the beginning of the *yagya*? No, he didn't. Brahma means *Jagdamba*. Actually, your *Jagdamba* is this Brahma, but the body is that of a male; so, in the basic (path of knowledge) as well Brahma gave sustenance and in the advance (party) also, who will take care till the end?

Student: Brahma.

बाबा – ब्रह्मा माना कौनसा रूप? दाढी-मुँछ वाला? जगदम्बा जो हैं अंत तक पालना करेगी। क्यों पालना करेगी? क्योंकि जगदम्बा का मुकाबला कोई दीदी, दादी, दादाएँ नहीं कर सकते ज्ञान में। करेंगे?

जिज्ञासू – नहीं करेंगे।

Baba: Brahma means, which form? Is it the form with beard and moustache? *Jagdamba* will sustain (the family) till the end. Why will she sustain? It is because no *Didi*, *Dadi*, *Dada* can confront *Jagdamba* in knowledge. Can they?

Student: They cannot.

बाबा – नहीं करेंगे। धारणा भले न हो; लेकिन ज्ञान में मम्मा तीखी होती है। ज्ञान में तीखी होने के कारण सारी दुनियाँ सरस्वती जगदम्बा के सामने झुकती है; लेकिन सेवा ज्यादा नहीं कर सकी इसलिए छोटे-छोटे मंदिर बनाए जाते हैं। कोई महाविद्यालय, युनिवर्सिटी होगी। तो दरवाजे पर एक बड़ा ताक बनाएँगे छोटा सा और उसमें जगदम्बा की मूर्ति रख देंगे। कोई मंदिर बनायेंगे, छोटा-सा मंदिर बनायेंगे, उसमें जगदम्बा की मूर्ति रख देंगे और लक्ष्मी नारायण का मंदिर कैसा बनाते हैं? बड़ा-बड़ा भव्य मंदिर बनाते हैं। किस बात की यादगार? अरे! लक्ष्मी ने बहुत सर्विस की है। बहुत आत्माओं का कल्याण किया है इसीलिए बड़ा मंदिर बनाते हैं। भव्य मंदिर बनाते हैं तो अंत तक यज्ञ की पालना करेगी ब्राह्मणों की; लेकिन कैसे ब्राह्मणों की पालना करेगी? सूर्यवंशी ब्राह्मणों की पालना करेगी या चंद्रवंशी, इस्लामवंशी, बौद्धीवंशी, क्रिश्चनवंशी आदि-आदि की पालना करेगी?

जिज्ञासू – सूर्यवंशियों की।

Baba: They will not. Although she may not inculcate, Mamma is sharp in knowledge. Because of being sharp in knowledge the entire world bows before *Saraswati Jagdamba*, but she isn't able to do much service, that is why small temples are constructed (for her). If there are colleges, universities, they build a small shelf near the door and they place an idol of *Jagdamba* in it. If they build any temple (for *Jagadamba*), they build a small temple and install an idol of *Jagdamba* in it. And how are the temples of Lakshmi-Narayan built? They build big magnificent temples. It is a memorial of what? Arey! Lakshmi has done a lot of service. She has benefited many souls; that is why a big temple is built, magnificent temples are built. So, she (*Jagadamba*) will take care of the *yagya*, of the Brahmins till the end. But what kind of Brahmins will she take care of? Will she take care of the *Suryavanshi* (those of the Sun dynasty) Brahmins or the *Chandravanshis* (those belonging to the Moon dynasty), *Islamvanshis* (belonging to the Islam religion), *Bauddhivanshis* (belonging to the Buddhist religion), *Christianvanshis* (belonging to the Christian religion), etc.?

Student: The *Suryavanshis*.

बाबा – घत! सूर्यवंशियों की अगर पालना करेगी तो डुबीजा-डुबीजा किसकी होगी?

जिज्ञासू – चंद्रवंश की (पालना करेगी)।

बाबा – हाँ। ब्रह्मा ने भी यज्ञ के आदि में क्या किया? सूर्यवंशी की पालना की या चंद्रवंशी, इस्लामवंशी, बौद्धीवंशियों की पालना की? चंद्रवंशियों, इस्लामवंशी, बौद्धीवंशियों की अब तक भी पालना हो रही है वहाँ। ऐसे ही यहाँ भी एडवान्स में जो पक्के सूर्यवंशी बच्चे हैं वो देवी को नहीं मानते। देवी के पूजारी नहीं होंगे। किसको मानेंगे? एक बाप दूसरा न कोई। और बाकी जितने भी हैं चंद्रवंश से लेकर इस्लामी, बौद्धी, क्रिश्चियन आदि वो सब देवी के पूजारी हैं राक्षस सम्प्रदाय। वो अंत तक पालना लेते रहेंगे।

Baba: *Dhat!* If she sustains the *Suryavanshis*, then who will be drowned?

Student: She will sustain the *Chandravansh* (the moon dynasty).

Baba: Yes. What did Brahma also do in the beginning of the *yagya*? Did he take care of the *Suryavanshis* or the *Chandravanshis*, *Islamvanshis*, *Bauddhivanshis*? The *Chandravanshis*, *Islamvanshis*, *Bauddhivanshis* are still being sustained there. Similarly, even here in the advance (party) the firm *Suryavanshi* children do not believe *devi* (the female deity). They will not be the worshippers of *devi*. Whom do they believe? One Father and none else. And all others from the *Chandravansh* to Islamic people, Buddhists, Christians, etc. are the worshippers of *devi*, belong to the demoniac community. They will keep receiving the sustenance (of *devi*) till the end.

जिज्ञासू – बाबा लक्ष्मी पालना नहीं करेगी सूर्यवंशियों की?

बाबा – हाँ, वो सूर्यवंशियों की पालना करेगी ना कि दूसरे वंशियों की पालना करेगी? किसकी पालना करेगी? जो असल भारतवासी होंगे, 84 जन्म लेने वाले होंगे उनकी पालना करेगी या और-और धर्मों में कनवर्ट होने वाले कम कलाओं वालों की पालना करेगी? किसकी करेगी?

जिज्ञासू – सूर्यवंशियों की।

बाबा – सूर्यवंशियों की पालना करेगी। वो तो छोटा रूप होगा पालना लेने वालों का।

Student: Baba, will Lakshmi not take care of the *Suryavanshis*?

Baba: Yes, will she take care of the *Suryavanshis* or of those belonging to the other dynasties? Whom will she sustain? Will she sustain the true *Bhaaratwasis* (Indians), who take 84 births or will she sustain those who convert to other religions and possess lesser celestial degrees? Whom will she sustain?

Student: The *Suryavanshis*.

Baba: She will sustain the *Suryavanshis*. The form of (the gathering of) those who obtain the sustenance will be small.

समय – 55.05

जिज्ञासू – बाबा, आदि में जो भागीदार थे। भागीदार की कौनसी बात ब्रह्मा बाबा ने नहीं मानी और अकेले उनको छोड़के कराची आ गए?

बाबा – जो ब्रह्मा और ब्रह्मा के फॉलोवर। ब्रह्मा उर्फ कृष्ण और उनके फॉलोवर जो गीता का भगवान कृष्ण को मानते हैं। वो एवर प्युरिटी की बात को समझते हैं? एवर प्युरिटी क्या चीज होती है? एवर प्योर भगवान कैसे है? शिव कैसे एवर प्योर है? इस बात को समझते हैं?

जिज्ञासू – नहीं।

बाबा – तो ब्रह्मा ने समझा होगा? इसीलिए ब्रह्मा को बेबी कहते हैं। बच्चा बुद्धि है। क्या? ये बच्चा अभी नौजवान नहीं हुआ है, जो समझे ये प्योरिटी क्या होती है? इम्प्युरिटी क्या होती है?

Time: 55.05

Student: Baba, the partner who lived in the beginning (of the *yagya*); which version of the partner did Brahma Baba not accept and left him and came alone to Karachi?

Baba: Brahma and Brahma's followers; Brahma alias Krishna and his followers who consider Krishna to be the God of the Gita, do they understand the subject of ever purity? Do they understand, what is meant by ever purity, how is God ever pure, how is Shiv ever pure?

Student: No.

Baba: So, would Brahma have understood (in the beginning)? That is why Brahma is called a baby. He has a child-like intellect. What? This child has not yet grown up into a young man to understand what purity is and what impurity is.

जिज्ञासू – यज्ञ के आदि में मम्मा बाबा ने सूर्यवंशी बच्चों को.....।

बाबा – यज्ञ के आदि से ही ये धोबीघाट चलता चला आया। ये बोला है मुरली में? तो उस धोबीघाट की सच्चाई को ब्रह्मा और ब्रह्मा के फोलोवर्स ने समझा होगा या अपोजीशन किया होगा? तब भी अपोजीशन किया और अब भी? अब भी एक ही बात को लेकर के अपोजीशन कर रहे हैं। तुम्हारे प्रश्न का जवाब मिल गया? क्या?

जिज्ञासू – कि वो एवर प्युरिटी और इम्प्युरिटी के बारे में नहीं समझते थे।

बाबा – हाँ। नहीं समझ पाए इसीलिए बाप के पार्ट को ही नहीं समझ पाए। बाप के पार्ट को न समझ पाने के कारण सन् 47 से उन्होंने अपने को ब्रह्मा घोषित कर दिया और संस्था का नाम ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय घोषित कर दिया। बाप को उड़ा दिया। गीता में से बाप का नाम उड़ा करके बच्चे का नाम, रचना का नाम डाल दिया गया।

Student: In the beginning of the *yagya* Mamma Baba....*Suryavanshi* children.....

Baba: This laundry has been going on since the very beginning of the *yagya*. Has it been said so in the *Murli*? So, would Brahma and his followers have understood the truth of that laundry or would they have opposed? They opposed at that time as well as they are opposing now? Even now they are opposing for just one issue. Did you get the answer to your question? What?

Student: That he did not use to understand about ever purity and impurity.

Baba: Yes. He did not understand; that is why he wasn't able to understand the part of the father at all. Because of not understanding the part of the father, he declared himself to be Brahma since the year 1947 and declared the name of the institution as Brahmakumari Ishwariya Vishwa Vidyalaya. He removed the father. He removed the name of the father from the Gita and inserted the name of the child, the creation.

जिज्ञासू – तो बाबा यही शूटिंग फिर जाकरके भक्तों की चलती होगी द्वापर से?
बाबा – वही शूटिंग चलेगी। और कौनसी चलेगी? फिर गीता का भगवान कृष्ण हो जाएगा।
जिज्ञासू – बाबा आदि में घोबी कौन थे?
बाबा – घोबी। तुम्हारे ज्ञान में घोबी कौन है बेहद का?
जिज्ञासू – बाप।
बाबा – देखो, फिर क्या बात है?
जिज्ञासू – साथ में गधा भी था जो कपड़े ढोता था।
बाबा – हाँ। तो गधा भी कोई होगा। कपड़े लाद के कौन लाया यज्ञ के आदि से लेकरके और सन् 76 तक?
जिज्ञासू – ब्रह्मा बाबा।
बाबा – ब्रह्मा बाबा कपड़े लाद के लाया सो अभी भी लाद के देना पड़ेगा कपड़े। रावण को गधे का शीश दिखाते हैं कि नहीं? गधे का शीश है देहअभिमान की निशानी। कितना भी नहलाओ-धुलाओ फिर क्या बन जावेगा? फिर जमीन में लोट जावेगा।

Student: So Baba, would the same shooting be taking place from the Copper Age among the devotees?

Baba: That same shooting (drama) will take place. What else will take place? Then Krishna will become the God of the Gita.

Student: Baba, who was the washerman in the beginning (of the *yagya*)?

Baba: Washerman. Who is the washerman in an unlimited sense in your knowledge?

Student: The Father.

Baba: Look, then what is the question about?

Student: There was also a donkey, which used to carry the clothes.

Baba: Yes. So, there must also be a donkey. Who carried the burden of clothes from the beginning of the *yagya* to the year 1976?

Student: Brahma Baba.

Baba: Brahma Baba carried the clothes; so, even now he will have to carry the clothes. Is a donkey's head shown on Ravan or not? The head of donkey is a sign of body consciousness. How ever much you may make it bathe or clean it up, what will it become? It will roll again in the mud.

समय – 1.00.43

जिज्ञासू – बाबा जैसे बेसिक आत्माओं को निकालना है तो बेसिक वालों के साथ रहकर अगर झूठ-मूठ भी बोलना पड़े। बाप की प्रत्यक्षता या बाप की सेवा के लिए तो...।

बाबा – झूठ क्यों बोलना पड़े?

जिज्ञासू – मतलब कि हम उनको नहीं जानते; क्योंकि वो शंकर पार्टी के नाम ही से वो डरते हैं कि माना कौन सी पार्टी है। तो उसको बता दें कि हम नहीं जानते वो पार्टी क्या है और बेसिक में उन्हीं के साथ मिलकर सेवा कर सकते हैं?

बाबा – बाबा ने बोला है वो सन्यासी....., तुम कितना भी छुपाने की कोशिश करो; क्योंकि वो चोर बाजारी कर रहे हैं। वो कैसेट, वो वि.सी.डी, वो डी.वी.डी। वो सारी सुन रहे हैं। बंद कमरे में इकट्ठे होकर के। तो वो असलियत को जानते हैं। तो तुम थोड़ी एक बात बोलोगे तो वो फट से समझ जाएंगे। माना उनका संग छोड़ने का दिल नहीं चाहता।

Time: 1.00.43

Student: Baba, for example, if we wish to bring the souls following the basic (knowledge), then if we also have to speak lies while living with them for the revelation of the Father or for the Father's service....

Baba: Why will you have to speak lies?

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

Student: I mean to say, (we will say:) ‘We do not know them (those of the advance party)’ because they feel afraid just by the name of Shankar Party thinking, what kind of a party it is. So, should we tell them that we don’t know about that (advance) party and can we serve them while following the basic (knowledge) with them?

Baba: Baba has said about those *Sanyasis*, however much you try to hide...., because they indulge in smuggling (*chor-baazaari*); they gather in a closed room and listen to all the cassettes, VCDs, DVDs. So, they know the truth. So, if you speak even a sentence, they will understand immediately (that you belong to the Advance Party). It means (you are asking this because) you do not want to leave their company.

जिज्ञासू – सेवा के लिए बाबा।

बाबा – सेवा के लिए। उसके लिए बाबा ने तरीका बताया है कि जो भी धर्माधीश, पीठाधीश, मठाधीश हैं वो नहीं मानेंगे तुम्हारे बात; लेकिन उनके जो जिज्ञासू हैं, वहाँ जाने वाले उन सबको तोड़ लोगे तो वो अपनी नाक अपने आप लटकाए लेंगे।

जिज्ञासू – बाबा, जिज्ञासू तो उनसे भी तेज़ हैं।

बाबा – हाँ, तो जो जिस धर्म का होगा वो फिर उसीकी बात मानेगा। फिर चाहे भगवान भी उतर आए तो भी कोई बात (नहीं मानेगा)। तो समझ लो वो हमारे धर्म का है ही नहीं। अगर हमारे धर्म का होगा तो थोड़ा सुनावेंगे तो फट खिंचा हुआ चला आवेगा। तब समझ लो ये हमारे धर्म का है।

Student: Baba, for service.

Baba: For service. For that, Baba has told a method: the heads of various religions, the *peethadheeshs*, *mathadheeshs* (heads of residential religious communities) will not accept your versions, but if you are able to woo their followers, who go there, then they (the heads) will accept defeat on their own.

Student: Baba, their students are sharper than them (the heads).

Baba: Yes, so whichever religion one belongs to, he will accept the versions of a person belonging to that religion only. Then even if God descends, he will not accept anything. So, you can think that he does not belong to our religion at all. If he belongs to our religion, he will come, attracted immediately, even if we narrate a little. Then you can think that he belongs to our religion.

जिज्ञासू – हम लोगों को देखकर बहुत दूर हटते हैं। कहते हैं ये तो भ्रष्ट हो गए। बेकार हो गए। शंकर पार्टी में चले गए।

बाबा – ठीक है तो समझ लेना चाहिए ना कि ये हमारे कुल के नहीं है। अगर खींच-खांच के उनको निकाल भी लिया तो अंत में ये हमको धोखा देकर चले जावेगा।

Student: They run far away when they see us. They say, these people have become unrighteous (*bhrasht*). They have become useless. They have gone to the Shankar Party.

Baba: It is ok. So, you should think that he does not belong to our clan, shouldn’t you? Even if you bring him by making a lot of efforts, he will deceive us in the end and go away.

समय – 1.02.53

जिज्ञासू – बाबा, असल सूर्यवंशी कितने होंगे?

बाबा – असल सूर्यवंशी कितने होंगे? जो सतयुग होगा। सतयुग का फाउन्डेशन पड़ेगा। वहाँ जन्म देने वाले कितने होंगे?

जिज्ञासू – साढ़े चार लाख।

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

बाबा – वो ही असल सूर्यवंशी हैं। उसमें भी कुछ ऐसे होंगे। जो आदि से ही राधा कृष्ण जैसे बच्चों को जन्म देंगे, सतयुग के पहले जन्म में। कुछ ऐसे होंगे जो मध्य में जन्म देंगे, सतयुग के पहले जन्म में और कुछ ऐसे होंगे जो सतयुग के पहले जन्म के लास्ट में राधा कृष्ण जैसे बच्चों को जन्म देंगे। तब 9 लाख जनसंख्या होगी पहले जन्म की।

Time: 1.02.53

Student: Baba, what will be the total number of true *Suryavanshis* (those belonging to the Sun dynasty)?

Baba: What will be the total number of true *Suryavanshis*? What will be the total number of souls who give birth in the Golden Age, (i.e.) when the foundation of Golden Age is being laid?

Student: Four and a half lakhs (four fifty thousand).

Baba: They alone are the true *Suryavanshis*. Even among them some will be such who give birth to children like Radha and Krishna from the very beginning, in the first birth of the Golden Age. There will be some who will give birth in the middle, of the first birth (generation) of the Golden Age and some will be such that they will give birth to children like Radha and Krishna in the last period of the first birth (generation) of the Golden Age. Then the number will reach 9 lakhs (900 thousands) in the first birth (generation).

समय – 1.03.46

जिज्ञासू – बाबा, कहते हैं कि तुम सब पार्वतियाँ हो। तो ये गणेश किसका बेटा है?

बाबा – गणेश शंकरजी का बेटा है। और किसका बेटा है? मनुष्य जो है वो देवता बनता है। तो शंकर जी पहले कभी मनुष्य थे या नहीं थे?

जिज्ञासू – थे।

बाबा – मनुष्य थे। और जब मनुष्य से पुरुषार्थ किया तो देवता बन गए। देवता नहीं महादेव बन गए। और महादेव की कोटी से नीचे उतरे। तो गणेश जी पैदा हो गए। गणेश जी जानवर है या वास्तव में देवता है? रूप क्या है?

जिज्ञासू – जानवर का।

बाबा – जो चित्र दिखाया गया वो चरित्र की यादगार है या नहीं है?

जिज्ञासू – चरित्र की यादगार है।

Time: 1.03.46

Student: Baba says, all of you are *Parvatis*; so, whose son is this Ganesh?

Baba: Ganesh is Shankarji's child. Who else's son is he? A human being becomes a deity. So, was Shankarji a human being earlier or not?

Student: He was.

Baba: He was a human being. And when he made *purusharth* (special effort for the soul), he transformed from a human being to a deity. Not just a deity (*devta*), he became the highest deity (*mahadev*). And when he degraded from the level of *Mahadev*, Ganeshji was born. Is Ganeshji an animal or actually a deity? What is the form (of Ganesh)?

Student: Of an animal.

Baba: Is the picture that has been shown a reminder of the character or not?

Student: It is a reminder of the character.

बाबा – वो देहअभिमानी सांडा होगा। तो देवता के रूप में दिखाया गया है गणेश, उनका छोटा पुत्र।

जिज्ञासू – कार्तिकेय।

बाबा – नहीं कार्तिकेय बड़ा है। उसको छः मुख दिखाए जाते हैं। छः मुख माना? एक मुख से बात नहीं करता है। कितने मुखों से बात करता है? छः मुख से। दुनियाँ में दोमुहा को बुरा

Email id: a1spiritual@sify.com

Website: www.pbks.info

माना जाता है। और वो तो छः मुख वाला है। छः मुख कौन-कौन से? इस्लामी, बौद्धी, क्रीश्चियन, सन्यासी, सिक्ख, आर्यसमाजी। छः तरह की बातें करेगा। पक्का विधर्मी हुआ। जिज्ञासू – गणेश?
बाबा- गणेश तो फिर भी देवी-देवता धर्म वाला माना जाता है। ज्ञानी आत्मा मानी जाती है; लेकिन है देहअभिमानी।

Baba: He must be a body conscious bull. So, his younger son Ganesh has been shown in the form of a deity.

Student: *Kartikeya*?

Baba: No, *Kartikeya* is the elder one. He is shown to have six faces. What do six faces mean? He does not talk through one mouth. Through how many mouths does he talk? Through six mouths. In the world, the one who indulges in doublespeak is considered to be bad. And he (i.e. *Kartikeya*) has six mouths. Which are the six mouths? The Islamic, Buddhist, Christian, Sikh and Arya Samaji. He will talk six kinds of versions. He is a firm *vidharmi* (those who have inculcations opposite to that said by the Father).

Student: (What about) Ganesh?

Baba: Ganesh is even then considered to belong to the deity religion. He is considered to be a knowledgeable soul. But he is body conscious.

.....
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translators to make the meaning more clear.